कामधेनु

कामधेनु

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

KAMDHENU (कामधेनु)
Anthology of Maithili Verse by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-46-0
दाम: 150/- (भा.रु.)

दोसर संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2020)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

अनुक्रम:

कामधेनु

अबिते खुट्टा कामधेनु
सुख-सेवा हँसैत कहै छै।
जुग-जुगसँ जकड़ल जिनगी
सु-तंत्र साँस लिअ लगै छै।
जिम्मा-जिम्मा सभ वृत्ति जिम्मा
सु-तंत्र जिम्मा कहाँ पबै छै।
बिनु सु-तंत्र जिम्मे मनुष्य
अप्पन परिचय कहाँ पबै छै।
अप्पन परिचय कहाँ पबै छै।

कामधेनु धन तकै छै जिनगी
पेब जिनगी चुहुट धड़ै छै।
सभ वृत्ति वृत्ताकार रहितो
धेनुकाम धन देखए लगै छै।
गाम एक अनेक धान कहितो
अयोध्या-लंका कहबए लगै छै।
धेनुकाम छोड़ि लंक जे भागए
लंका रावण कहबए लगै छै।
लंका रावण कहबए लगै छै।

धीर पकैड़ जे-धेनुकाम
सएह अयोध्या निरमबैत एलैए।

एक उत्तर एक दच्छिन बैस बास
अयोध्या लंका कहैत एलैए।
जहिना धाम-काम-राम अयोध्या
तहिना काम राक्षस कहैत एलैए।
राक्षसक बीच रविकर्म जहिना
हँसि राम अयोध्या कहैत एलैए।

पण्डित भारी रावण कहबै
लछमी-सरस्वती नोकरनी रहलैए।
पण्डितक बीच सदैत पण्डिताइ
सरस्वती-लछमी झगड़ैत एलैए।
कामधेनु धाम ओहन धाम
धरमी-करमी सृष्टैत एलैए
करमी-धरमी बनि-बनि
कामधेनु धन पबैत एलैए
कामधेनु धन पबैत एलैए। ❑

जिनगीक कुंज

जिनगीक कुंज भवनमे
बिहार कुंज करए लगै छै।
दुनियाँक भवसार बीच
भव आनन बनबए लगै छै।
भव आनन बनबए लगै छै।
बिहार कुंज...।

आनन-कानन बीच-बीच
हजार आँखि देखैत रहै छै।
सरमे-भरमे चुनि-चुनिन्दा
सागर भव भरैत रहै छै।
सागर भव भरैत रहै छै।
बिहार कुंज...।

आँखि बीच नजैर अँखिया
डिम्ह डिम्हा भाँगैत रहै छै।
क्षीर-नीर निखैर-परैख
घाटे-घाट चुनैत रहै छै।
घाटे-घाट चुनैत रहै छै।
बिहार कुंज...।

जेहेन आँखि पाँखि तेहेन
बास गाछ बनबैत रहै छै।

गाछ-पात फूल फलैन
संग मिलि जीबैत रहै छै।
मिलि संग जीबैत रहै छै।
जिनगीक...।



सत-चित

सत-चित आनन-काननमे
भव आनन बिलैट गेलै।
शील बनि शीला चढ़ा
लोढ़ि-बीछि रगड़ए लगलै।
लोढ़ि-बीछि रगड़ए लगलै।
सत-चित आनन-काननमे
भव आनन बिलैट गेलै।
सत-चित...।

वाण-वाणि चेत-अचेत
चाल-चालि चलबए लगलै
बीचमान बनि बिचमानि
नीर-छीर मिलबए लगलै।
दूध-पानि मिलबए लगलै।
दूध-पानि मिलबए लगलै।
सत-चित...।

मुख-बिमुख पथ पथिक
गुआरि गर लगबए लगलै।

आनन चित सरि-सरिया
ढुलैक ढोल बजबए लगलै।
ढुलैक ढोल बजबए लगलै।
सत-चित...।



पड़िते पएर पवन पोरवैर

पड़िते पएर पवन पोरवैर
डेगे-डेग डगरए लगै छै।
झील-मिलि, हिल-मिलि हील
पकैड़ बाँहि संगरए लगै छै।
पकैड़ बाँहि संगरए लगै छै।
पड़िते पएर पवन पोरवैर
डेगे-डेग डगरए लगै छै।
पड़िते पएर...।

धक्कम-धुक्कम मुक्कम बीच
धक्कम-मुक्कम चलए लगै छै
सिहैकिते नाद चहैक चिहैक
धरा धार धड़बए लगै छै।
धरा धार धड़ए लगै छै।
पड़िते पएर...।

हिल डोलि हिलोरि-हिलोरि
किनछैड़ कोण पकड़ए लगै छै।
तड़ैप-तड़ैप तड़पन करैत
ठौर अपन घर धड़ए लगै छै।

ठौर अपन घर धड़ए लगै छै।
पड़िते पएर... ।


अहाँ किए रूसल छी

अहाँ किए रूसल छी मीत यौ
अहाँ किए रूसल छी यौ।

हल-चल, हल-चल
सभ दिन करै छी
चल-हल चल-हल
कहाँ पेब पबै छी
तैयो अहीं मगन भऽ
कानि-हँसि कुचड़ैत रहै छी
कानि-हँसि कुचड़ैत रहै छी
अहाँ किए...।

राति दिन एकबट्ट बनौने
सभकेँ सभ लागल रहै छी।
लागि भीड़ कियो, भीड़ लागि कियो
रमझौआ करैत रहै छी।
रमझौआ करैत रहै छी।
अहाँ किए...।

राम काम अमृत अमोध
रमझौआ बीच पड़ल रहै छी

झौआ बन बौआ-बौआ
खर्ड़ा बनि खरड़ाइत रहै छी।
बनि खर्ड़ा खरड़ाइत रहै छी।
अहाँ किए... ।


घट-घट घोंट

घट-घट घोंट घोटै छै
मीत यौ, घट-घट घोंट घोटै छै।

तरसैत-तरपैत तनतनाइ छै
तन-फन मन तनफनाइ छै
हक-हका, हकहका कहै छै
अपनमे दरकार धड़ै छै।
अपनमे दरकार धड़ै छै।
घट-घट...।

अपन माइन एकबट्ट मानि
हँसमुँह मन मुस्की भरै छै।
मन-सम्मान, समान मान
तानि छाती समवाण तनै छै।
तानि छाती समवाण तनै छै।
घट-घट...।

जे चिनहै तेकरे ने चिन्हबै
बीच-बीच बिचमानि बजै छै।
धर्म सनातन ठहैक-ठहैक
राति-दिन परिछान करै छै।

राति-दिन परिछान करै छै।
मीत यौ, घट-घट...।


जहिना बारह दिन बजै छै

जहिना बारह दिन बजै छै
तहिना ने रातियो कहै छै।
बीच-बिचौबलि बीछि-बेड़ा
दुनूमे समतूल भरै छै।
दुनूमे समतूल भरै छै।
जहिना बारह दिन बजै छै।
तहिना ने रातियो कहै छै।
जहिना बारह...।

जेठक बारह नम-नमैड़
बारह राति पटिया कहै छै।
मघजल्ला पसारि-पसारि
हार जाड़ बढ़िया कहै छै।
हार जाड़ बढ़िया कहै छै।
जहिना बारह...।

करवनो बाम दहिन करवनो
दुनू दिस कपचैत रहै छै।
निरवैर-निहारि नहि देखि
झपकी-लपकी सहैत रहै छै।

झपकी-लपकी सहैत रहै छै।
जहिना बारह...।


दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे

दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे
घट-घोट घोटैत कहै छै।
सुखचन-दुखचन कुहि-कुहि
भटैक-भटका मारैत रहै छै।
भटैक-भटका मारैत रहै छै।
दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे
घट-घोट घोटैत कहै छै।
दुनियाँ घोड़ाएल...।

सुख-चैन सोच-असोच
सुखल धार बहबैत रहै छै।
काँट-कुश बन-बन बना
धार-धड़ि धड़बैत रहै छै।
धार-धड़ि धड़बैत रहै छै।
दुनियाँ घोड़ाएल...।

सुखल-टटाएल रसाएल जिनगी
रसाएल जीव कहबए लगै छै।
भुख-पियास पचि पचा-पचा
सार-वेद गाबैत रहै छै।
सार-वेद गाबैत रहै छै।
दुनियाँ घोड़ाएल...।



बहैल बहील बहिला कहै छै

बहैल बहील बहिला कहै छै
आश हमर कहियो नै करिहह
फुलकैत-फलकैत ढेनु-ढेनुआरक
तोड़ि आश तेकरो रहिहह।
तोड़ि आश तेकरो रहिहह।
बहैल बहील बहिला कहै छै
आश हमर कहियो नै करिहह

बहैल मन दहैल-दहैल
बाँझ गाछ धड़ैत रहै छै।
पकैड़ डारि डोला-डरा
लस्सा–लोल छोड़बए लगै छै।
लस्सा–लोल छोड़बए लगै छै।
बहैल बहील...।

लटपट-सटपट बझ-बझीन
गीत वधैया गाबि कहै छै।
ता धीन ताधीन धीन ता धीन
सूर तानि टहिया कहै छै।

सूर तानि टहिया कहै छै।
बहैल बहील... ।


हलचल जिनगी हलैस-कलैश

हलचल जिनगी हलैस-कलैश
हर-हरि चालि चलै छै।
बीर्तमान भविस कहि-सुनि
भूत-बंगला सजबै छै।
मीत यौ, भूत-बंगला सजबै छै।
हलचल जिनगी हलैस-कलैश
हर-हरि चालि चलै छै।
हलचल...।

जहिना आनक पोखैर डरान
तहिना गाछी सेहो कहै छै।
अधसर-अधमर पोखैर सिरैज
जम-जजमान फुफकारि कहै छै।
मीत यौ, जम-जजमान फुफकारि कहै छै।
हलचल...।

भाग बैस एक वीणा-वादिनी
बहिना बाँहि पकैड़ कहै छै।
वाम-दहिन चालि चलैन देखि
धाम-काम धड़बए लगै छै।
मीत यौ, धाम-काम धड़बए लगै छै।
हलचल...। ❑

टकटक ताक

टकटक ताक तकै छी हे मइये
आहाँ किए आँखि मुनने छी।
गड़-गड़ गाल गबै छी मइये
तखैन किए कान खोलने छी।
तखैन किए कान खोलने छी।
टकटक ताक तकै छी हे मइये
आहाँ किए आँखि मुनने छी।
टकटक...।

जन-मन-धन धिआनए मइये
छुटि केना के जाइ छी।
डारि-पात अमृत भरि-भरि
विष-रस केना बनाइ छी।
विष-रस केना बनाइ छी।
टकटक...।

कन-कन मणि मन-मन मइये
अन्हार केना छोड़ाइत छी।
रचि अन्हार इजोत-जोत

तरवैन एना किए विसविसाइ छी।
तरवैन किए विसविसाइ छी।
टकटक...।



भीख मांगि (नचारी)

भीख मांगि दुनियाँ भिखारी
दानी शिव कहबै छी यौ।
हे यौ भोलादानी
दानी शिव कहबै छी यौ।
राति-दिन समैट-समटै छी
भीखमंगा कहबै छी यौ
धड़ि भीख धारा बनै छी
धार भीख बहबै छी यौ
धार भीख...।

शिखर सिर अकुर-सकुर
चोटी सिर पकड़ै छी यौ
धार बनि धरिया-धरिया
पहुँच समुद्र धड़ै छी यौ।
पहुँच समुद्र धड़ै छी यौ।
हे यौ भोला बाबा
पहुँच समुद्र धड़ै छी यौ।



बकरी खुट्टी

बकरी खुट्टी खुटेस-खुटेस
जिनगीक जिनगी पाठ पढ़ै छै।
कुंज भवनमे लाल बिहारी
लीला रचि-रचि रास करै छै।
लीला रचि-रचि रास करै छै।
बकरी खुट्टी खुटेस-खुटेस
जिनगीक जिनगी पाठ पढ़ै छै।

रंग-बिरंगक पात खुआ
रस अमरीत चुसबैत रहै छै।
मनक मक्खन चोरि-छोड़ि
गरदेन बान्ह पड़ैत रहै छै।
मीत यौ, गरदेन बान्ह पड़ैत रहै छै।
जिनगीक जिनगी...।

बीर्त रहितो बकरी जेना
साँढ़-धाकर कहैत रहै छै।
मनहाएल-मनहाएल रहितो
सुरीति रीति सुरैत धड़ै छै।
मीत यौ, सुरीति रीति सुरैत धड़ै छै।
जिनगीक जिनगी...। ❑

अमरा अँचार

अमरा अँचार चटै छी
मीत यौ, अमरा अँचार चटै छी।

अमौर-मौर बनि बना
अबिते रस बदलै छी।
पानि जीह पेब पनिया
चहैट चुहैट धड़ै छी।
चहैट चुहैट धड़ै छी।
मीत यौ...।

जेहने फड़क रंग-रूप
तेहने ते पातो धेने छी।
नमहर-नमहर गिरह-गाँठ
बिनु गिरहेक डारि पकड़ै छी।
बिनु गिरहेक डारि पकड़ै छी।
मीत यौ...।

चटिते अँचार अम अमैड़
अमरजोत देखए लगै छी।
जीवन जन छोड़ि-मोड़ि
वाणि मरण पकड़ए लगै छी।
मीत यौ,
मरण वाणि पकड़ए लगै छी।



घरे-घरे

घरे-घरे इजोत दीप
गाम अन्हार पड़ल छै।
घरे-घर समाज कहि-कहि
अध-मरल गाम पड़ल छै।
अध-मरल गाम पड़ल छै।
घरे-घरे इजोत दीप
गाम अन्हार पड़ल छै।

इतिहास मिथिला कहि-सुनि
पुर जनक धाम बनल छै।
वक्र आठ गीत गबिते
ज्योतिरमान जगल छै।
ज्योतिरमान जगल छै।
घरे-घर इजोत दीप
गाम अन्हार पड़ल छै।

बनि कनियाँ-पुतरा पुतरी
मूक नाच नचैत रहै छै।
राति-दिन एकबट्ट बरहबट बनि
नचनी नाच गबैत कहै छै।
नचनी नाच गबैत कहै छै।
घरे-घरे...। ❑

बेटी किए

बेटी किए बनेलौं विधि यौ
बेटी किए बनेलौं।
भूख पेट दुख बनि बना
हमरे किए सजेलौं
हमरे किए सजेलौं
बेटी किए बनेलौं विधि यौ।
बेटी किए बनेलौं।

सजि साजि सिर सजित
दोखरा जनम किए देलौं
किछु ने कामना मनमे ठनलौं
एहेन किए बनेलौं।
एहेन किए बनेलौं।
बेटी किए...।

मन-मन माली बैसा-बैसा
मालिन किए बनेलौं
मन-मलिन मुँह कानि-कानि
बेटी किए बनेलौं।
विधि यौ, बेटी किए बनेलौं।


मनक भाव

मनक भव समेट-समेट
मनोभाव पनपए लगै छै।
सुभाव अभाव कुभाव भव
रूप रंग सजबए लगै छै।
रूप रंग सजबए लगै छै।
मनक भव समेट-समेट
मनोभाव पनपए लगै छै।
मनक भाव...।

महक महि परेख-निरेख
भवन भव सिरजए लगै छै।
उक-भाव लप-लप लपैक
बिन भावुक सजबए लगै छै।
बिन भावुक सजबए लगै छै।
मनक भाव...।

भाव-भावुक रमैक-चमैक
भाव लोक सिरजए लगै छै।
आनन कानन मानन मानि
भक्त-अभक्त कहए लगै छै।
भक्त-अभक्त कहए...।



सिरजन सिर

सिरजन सिर पकैड़-पकैड़
जड़ि धरती धड़बै छै।
पति-पन पाँति पतिया
उपवन-वन सजबै छै।
भाय यौ, उपवन-वन सजबै छै।
सिरजन सिर पकैड़-पकैड़
जड़ि धरती धड़बै छै।
जड़ि धरती...।

सजिते वन उपैक-उपैन
धरती धार बहबए लगै छै।
सुध-असुध कहि सुनि-सुनि
घटि-बढ़ि घाट बनबए लगै छै।
भाय यौ, घटि-बढ़ि घाट बनबए लगै छै।
जड़ि धरती...।

कोने-कानी खूटि-खटि
धोबि घाट सेहो बनबै छै।
निरजन, निरमल बसि-बसु
हारि-जीत दुनियाँ कहै छै।
भाय यौ, हारि-जीत दुनियाँ कहै छै।
जड़ि धरती...। ❑

कलश पल्लव भरैत रहै छै

कनि-कनि कानि कहै छै।
कनी-कनी कान पकैड़-पकैड़
कर्ण-अंग धड़ैत रहै छै।
निरलोभ, निसकपट बनि-बनि
अखण्ड बनि बसैत रहै छै।
अखण्ड बनि बसैत रहै छै।
कनि-कनि कानि कहै छै।
कनी-कनी कान पकैड़-पकैड़
कर्ण-अंग धड़ैत रहै छै।

रंग-रंग कनजैड़ बनि वन
रंग-रंग मुँह धड़ैत रहै छै।
रंग-रंग गुनि गुन सुनि
फलाफल छिटकैत रहै छै।
फलाफल छिटकैत रहै छै।
कनि-कनि...।

जड़ि कोनो फल फलागम
फुलहैर कोनो झड़ैत रहै छै।
जड़ि-जड़ि कनैक-कनैक
कलश-पल्लव भरैत रहै छै।
अपेछित, पल्लव कलश भरैत रहै छै।
कनि-कनि...। ❑

मारी-बेमारी

मारी-बेमारी के कहए
महामारी बीच पड़ल छै।
के केकरा कहतै-सुनतै
आनो-आन पड़ल छै।
भाय यौ, आनो-आन पड़ल छै।
मारी-बेमारी के कहए
महामारी बीच पड़ल छै।

पानि जरि अगिया आगि
रस रसराज पबै छै।
केकरा कहबै, कहल के सुनतै
खटरस रस भरल छै।
भाय यौ, खट-रस रस भरल छै।
मारी-बेमारी...।

खट्टर कका केर खटरास
खिया-खिया खटखटाएल छै।
मजनी रगैड़-रगैड़ खरकिट्टी
सेनुर-सोहाग बुलबुलाएल छै।
भाय यौ, सेनुर-सोहाग बुलबुलाएल छै।
मारी-बेमारी...। ❑

हिम-गिरि

हिम-गिरि उत् उतूंग उमैड़
निरमल अमृत धार बहै छै।
सिख-शिखर सिहैर-सहैर
गंग अकास बहैत रहै छै।
गंग अकास बहैत रहै छै।
हिम-गिरि...।

उतरे-दछिने धड़ैन धार
शिखर-सगर देखबैत रहै छै।
रंग-रंग फूल माल सजि
मन गंग सजबैत रहै छै।
मन गंग सजबैत रहै छै।
हिम-गिरि...।

हटि-सटि, सटि-हटि बैस-वेस
सागर-शिखर धड़ैत रहै छै।
गंग-अकास उतैर-उतैर
शिखर सगर पकड़ैत रहै छै।
शिखर सगर पकड़ैत रहै छै।
हिम-गिरि...। ❑

भुवन भुचल

भुवन भूचलि अकास
रंग-रंग तारा सजै छै।
तीन मिलि डंड तराजू
सभक तौल तोलैत रहै छै।
सभक तौल तोलैत रहै छै।
भुवन भुचल...।

करवनो दायाँ वायाँ करवनो
कीर-किरदानी करैत रहै छै।
तेकठीक आस बिनु पौने
उदय-अस्त करैत रहै छै।
उदय-अस्त करैत रहै छै।
भुवन भुचल...।

सातो सगर देखि सतभैंया
कचबच बचकच करैत रहै छै।
भोर होइत भहैर-भड़ैर
थकथका थकथका सेज सजै छै।
थकथका थकथका सेज सजै छै।
भुवन भुचल...। ❑

खुजिते आँखि

खुजिते आँखि तड़ैप तड़ैप
पृथिवी पग पएर पड़ै छै।
धरती-अकास बीचो-बीच
खम्भ भेल देखैत रहै छै।
खम्भ भेल देखैत रहै छै।
पृथिवी पग...।

अकास अमरीत बसि बरैस
खोंइछ धरती भरैत रहै छै।
आशा-आशी आस जगोने
बरहमासा गबैत चलै छै।
भाय यौ, बरहोमास गबैत चलै छै।
पृथिवी पग...।

पर-वत बत-पर संग-संग
हेल समुद्र हेलैत रहै छै।
बालु ऊपर ढेर बाइन बना
ढुइस हेल हेलैत रहै छै।
मीत यौ, ढुइस हेल हेलैत रहै छै।
पृथिवी पग...।

जगरनाथ जाइबला जनता
समुद्र ढुइस केना चलै छै।

पीठ मुँह वाम घुमा
ढुइस वेग पबैत रहै छै।
ढुइस वेग पबैत रहै छै।
पृथिवी पग...। ❑

मुड़जन मनुहर

मुड़जन मनुहर पकैड़-पकैड़
तान विरूदावली तनै छै।
दोहन-दौजी कुदि-चमैक
रचि-रचि रास रचै-बसै छै।
संगी, रचि-रचि रास रचै-बसै छै।
मुड़जन मनुहर पकैड़-पकैड़
तान विरूदावली तनै छै।
मुड़जन मनुहर...।

मुसैक मुसकी मसैक-मसैक
कन-आनन अनैत रहै छै।
नेंगरा-लुल्हा, जरल-मरल
बेणु-वन वीणा वाणि धड़ै छै।
संगी, बेणु-वन वाणि धड़ै छै।
मुड़जन मनुहर...।

शूर-सूर, मूड़ मुड़ि-मूड़ि
पग-प्रेम पबैत रहै छै।
लट्टा-चूड़ा, खट्टा दही
भोज ब्रह्म गबैत कहै छै।
संगी, भोज ब्रह्म गबैत कहै छै।
मुड़जन मनुहर...। ❑

गोधुलि-बेल

गोधुलि-बेल डगर डगैड़
थन-माइक थुथुन थुथबै छै।
आस सुर्ज असतन पेब
तर-ऊपर चमकए लगै छै।
तर-ऊपर चमकए लगै छै।
गोधुलि-बेल डगर डगैड़
थन-माइक थुथुन थुथबै छै।
गोधुलि-बेल...।

करुआ काल अबैत देखि
पग-पगहा पाछू घीचै छै।
पाँचम पहर पहल पहीर
रग-रग रंग रगड़ए लगै छै।
दीब साँझक दिव्य पेब
सगुनियाँ कहबए लगै छै।
सगुनियाँ कहबए लगै छै।
गोधुलि-बेल...।

राति दबा दबदबाइत प्रभा
भोर-भुरुकबा जगए लगै छै।
दुर-दुरा, दुर-दुरा दूरा

प्रात सुर्ज घीचने अबै छै।
प्रात सुर्ज घीचने अबै छै।
गोधुलि-बेल... ।


दौड़ि-दौड़

दौड़ि-दौड़ दउर घोर-घन
तैयो ने बाट भेटै छै।
कारी भार भारी करि-करि
अन्हरोख घाट बनबै छै।
अन्हरोख घाट बनबै छै।
दौड़ि-दौड़ दउर घोर-घन
तैयो ने बाट भेटै छै।
दौड़ि-दौड़...।

अन्हार घर साँपे-साँप
विसबिसाह बनबैत कहै छै।
इजोतो अनरोख भऽ भऽ
घोरि अन्हार सघन करै छै।
घोरि अन्हार सघन करै छै।
दौड़ि-दौड़...।

लीला बड़ लीलाधर बड़-बड़
राशि-राशि रास रचै-बसै छै।
उनमत मन मत मता-मता
चालि मस्ती धड़ैत कहै छै।

चालि मस्ती धड़ैत कहै छै।
दौड़ि-दौड़...।


चोट-चाट

चोट-चाट चोटिया देलकै
मुँह-नाक भसका देलकै।
मुँह-नाक भसका देलकै।
मुँह-नाक...।

कान कनक छीनि-वीनि
बौक बहिर बना देलकै।
नाक-मुँह-कान ताकि
चोट-चाट चोटिया देलकै।
मीत यौ, चोट-चाट चोटिया देलकै।
मुँह-नाक...।

बहिर-बौक मिलि-मिलि
मलि आँखि मसका देलकै।
गन्ह महक महक गन्ह
दिन-राति गनहा देलकै।
मीत यौ, दिन-राति गनहा देलकै।
मुँह-नाक...।

साँझ बेला वेली फुलि
भोर-भुरुकबा कहए लगै छै।

रतुका पार खेप खापि
दीनका चालि धड़बै छै।
यौ मीत, दीनका चालि धड़बा देलकै।
मुँह-नाक...।


चाइन चेन

चाइन चेन थर-थीर थितिते
चान-मुँह मुस्की भरए लगै छै।
हास-परिहास अट्टाहास
लोक सुर्ज पहुँचए लगै छै।
सुर्ज लोक पहुँचए लगै छै।
चाइन चेन थर-थीर थितिते
चान-मुँह मुस्की भरए लगै छै।
चाइन चेन...।

तन-तना तक ताकि तरेगन
हिया-हिया देखैत रहै छै।
रंग एक रोशनाइ अनेक
लालटेन राति गढ़ैत रहै छै।
मीत यौ, लालटेन राति गढ़ैत रहै छै।
चाइन चेन...।

असिते-अस्त सुधा ज्योति
साँझ पहिल अनघोल करै छै।
बनि सगुनियाँ तार-तारा
आगूक दम्भ भरैत रहै छै।
मीत यौ, आगूक दम्भ भरैत रहै छै।
चाइन चेन...। ❑

दीनक दोख

दीनक दोख कहै छी हे बहिना
दीनक दोख कहै छी।
बात-बात बतिया कतिया
हटि-हटि हाट हटै छी।
बत-रग्गर रगैड़-रगैड़
पीसि पीस पसबै छी।
हे बहिना, पीसि पीस पसबै छी।
दीनक दोख... ।

घरे-अँगने बीआ कोढ़ीक
छीटि-गाड़ि रोपाइत रहै छी।
फूल कोढ़ीक फलक तेहने
जिनगी पाठ पढ़ैत रहै छी।
हे बहिना, जिनगी पाठ पढ़ैत रहै छी।
दीनक दोख... ।

निशाँ पीब नस-नस नसिया
निशाँएल घाट तकैत रहै छी।
रातिक हारल दिनक मारल
जिनगी गीत गबैत रहै छी।
हे बहिना, जिनगी गीत गबैत रहै छी।
दीनक दोख... । ❑

सगर समनदर

सगर समनदर सजि सरित
तन-मन आस सिरजै छै।
दुर्गा देवी माँ काली
असतन आस धड़बै छै।
मीत यौ, असतन आस धड़बै छै।
सगर समनदर सजि सरित
तन-मन आस सिरजै छै।
सगर समनदर...।

थन तन मन पशु धन
परबत सीस सजबै छै।
ढेर धार ढेरिआएल घाट
मन मनु माँ कहबै छै।
मीत यौ, मन मनु माँ कहबै छै।
सगर समनदर...।

पाश बैस बसिया बुलैक
जिनगी तानि नचै छै।
हे मैया, नगर बीच रीति-रीत
सत्-सावित्री पुछै छै।
मीत यौ, सन्त सावित्री पुछै छै।
सगर समनदर...। ❑

चप-चप चपा गेलिऐ

चप-चप चपचपा चपा
चपचपाइत चाप चपा गेलिऐ।
धार पेट चप-चपीमे
तकिते ताकि तरिया गेलिऐ।
मीत यौ, तकिते ताकि तरिया गेलिऐ।
चप-चप चपचपा चपा
चपचपाइत चाप चपा गेलिऐ।
चपचपाइत चाप... ।

चपचपाइत मन धकधकाइत तन
काप कपैत कतिया गेलिऐ।
ओलनि-छोलनि घर जहिना
भीत्ता धार भितिया गेलिऐ।
मीत यौ, भीत्ता धार भितिया गेलिऐ।
चपचपाइत चाप... ।

उठिते पूरबा पच्छिम बहि
पछिया पूब चलिया गेलिऐ।
चप-चप चपचपा चपा
खस्सिया खर्ग टंगा गेलिऐ।
मीत यौ, खस्सिया खर्ग टंगा गेलिऐ।
चपचपाइत चाप... । ❑

संगे-संग

घरक नाओं संगे गड़ा गेल
मीत यौ, ई गड़बड़ भेल उ गड़बड़ भेल?
नै यौ, हँ यौ, हँ यौ, नै यौ, हँ... ।
ई गड़बड़ भेल, उ गड़बड़ भेल ।
घरक नाओं... ।

अदैल नीक बदैल अधला
अदैल-बदैल बदला गेल ।
गारा गर पकैड़ पकड़, मीत
गारा घेघ बनैत गेल ।
मीत यौ, गारा घेघ बनैत गेल
घरक नाओं... ।

बाम दहिन बिनु बुझने-सुझने
छटि बाम बूच छटिया गेल ।
डाली कसतारा सजि सजा
ई अधला भेल, मीत यौ ई अधला भेल ।
घरक नाओं... ।

नोन खा सेरियत चुकाबै
पटिया पाठ पढ़ा गेल ।
अनोन-मीठनोन बनाबै
मीठ-मीठा मीठिया गेल ।

मीठ-मीठा मीठिया गेल।
घरक नाओं...।


आभा मण्डल

जिनगीक भव भँवरमे
अरबो दिन-दुनियाँ बसल छै।
अपन-अपन सीमा सहेज
गर गड़ि सूर चान सजल छै।
जिनगीक भव...।

अपन-अपन अर्ज अरैज
मण्डल अकार सकारि सजल छै।
उरजा उर्ज उरैज उरैज
आभामण्डल नाम पड़ल छै।
आभामण्डल नाम पड़ल छै।
जिनगीक भव...।

आभा परभा सहेज सहेज
प्रतिभा प्रभाव बिलहाइ छै।
जहिना धड़-धड़ा धरती
तहिना ने चानो सुर्ज कहाइ छै।
तहिना ने चानो सुर्ज कहाइ छै।
जिनगीक भव...।

संगे-संग संगनी सने
संग मीलि गड़-जोर चलै छै।

बाँहि पकैड़ आभा प्रतिभा
आभामण्डल चिकैड़ कहै छै।
आभामण्डल चिकैड़ कहै छै।
जिनगीक भव...। ❑



‘पंगु’ उपन्यासक बाद जगदीश प्रसाद मण्डलजीक गद्य लेखन:

पंगु- (उपन्यास) लेखन तिथि: 11 मई 2018 सँ 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक : शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू : शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन : शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि : शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच : शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह : शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात : शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019
847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019
848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019
849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019
850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019
851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019
852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019
853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019
854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019
855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019
856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019
857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019
858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019
859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019
860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019
861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019
862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019
863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019
864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019
865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019
866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019
867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019
868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019
869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019
870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019
871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक : शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

---

898. सुचिता- दू : शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन : शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि : शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच : शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह : शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात : शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल : शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक : शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक : शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू : शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन : शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि : शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच : शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात : शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ : शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ : शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस : शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह : शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक : शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू : शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन : शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि : शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच : शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह : शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात : शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ : शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ : शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस : शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक : शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू : शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन : शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि : शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच : शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल : शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक : शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन : शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि : शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच : शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह : शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ : शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस : शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति. : 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियैं-मनियैं पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकैं पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी : शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा : शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी : 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी : 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी : 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी : 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी : 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी : 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी : 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी : 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी : 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी : 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023

1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023

1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023

1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि : 10 अगस्त 2023

1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि : 30 अगस्त 2023

1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि : 02 सितम्बर 2023

1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023

1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023

1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023

1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023

1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023

1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023

1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023

1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023

1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023

1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023

1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023

1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023

1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023

1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023

1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- जारी...



जगदीश प्रसाद मण्डलजीक प्रकाशित पोथीक लोकार्पण विवरण

1. गामक जिनगी: (कथा संग्रह- 2009), लोकार्पण- डॉ. कमला चौधरी
2. मौलाइल गाछक फूल: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. रामवतार यादव
3. उत्थान-पतन: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. वीणा ठाकुर
4. जिनगीक जीत: (उपन्यास- 2009), लोकार्पण- डॉ. मोहन मिश्र
5. मिथिलाक बेटी: (नाटक- 2009), लोकार्पण- डॉ. राजेन्द्र विमल
6. तरेगन: (प्रेरक कथा संकलन- 2010), लोकार्पण- डॉ. रमानन्द झा 'रमण'
7. जीवन-मरण: (उपन्यास- 2010), लोकार्पण- कुमार रामेश्वर लाल दास
8. जीवन संघर्ष: (उपन्यास- 2010), लोकार्पण- कथाकार अशोक (श्री अशोक कुमार झा)
9. बजन्ता-बुझन्ता: (बीहैन कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री अरूण कु. सिंह SDO
10. शंभुदास: (दीर्घ कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- सदरे आलम 'गोहर'
11. उलबा चाउर: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री विनोद कुमार साह
12. अर्द्धांगिनी: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री दुर्गानन्द मण्डल
13. सतभैंया पोखैर: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- प्रो. जय प्रकाश साह
14. भकमोड़: (कथा संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री नन्द विलास राय
15. नै धाड़ैए: (उपन्यास- 2013), लोकार्पण- श्री गुरुदयाल भ्रमर
16. बड़की बहिन: (उपन्यास- 2013), लोकार्पण- श्री शारदानन्द सिंह
17. इन्द्रधनुषी अकास: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री रामलखन यादव
18. तीन जेठ एगारहम माघ: (गीत संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री चन्दन कुमार झा
19. राति-दिन: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री रामजी प्रसाद मण्डल
20. सरिता: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री बालमुकुन्द पाठक
21. गीतांजलि: (पद्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री अमित मिश्र

22. सुखाएल पोखरिक जाइठ: (काव्य संग्रह- 2013), लोकार्पण- श्री बिपीन कुमार कर्ण
23. कम्प्रोमाइज: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री रामप्रवेश मण्डल
24. झमेलिया बिआह: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री वीरेन्द कुमार यादव
25. रत्नाकर डकैत: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री कौशलय कृष्ण
26. स्वयंवर: (नाटक- 2013), लोकार्पण- श्री शम्भु सौरभ
27. पंचवटी: (एकांकी संचयन- 2013), लोकार्पण- श्री राजदेव मण्डल
28. गामक शकल-सूरत: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री ओम प्रकाश झा
29. लजबिजी: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री श्यामानन्द चौधरी
30. समरथाइक भूत: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
31. अप्पन-बीरान: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री सच्चिदानन्द ‘सचिद’
32. बाल गोपाल: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री राम कुमार मण्डल
33. रटनी खढ़: (दीर्घ कथा संग्रह) 2014), लोकार्पण- श्री फागुलाल साहु
34. पतझाड़: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- उमेश नारायण कर्ण ‘कल्पकवि’
35. गढ़ैनगर हाथ: (कथा संग्रह- 2014), लोकार्पण- श्री कपिलेश्वर राउत
36. अपन मन अपन धन: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. केष्कर ठाकुर
37. उकड़ू समय: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. प्रेम शंकर सिंह
38. मधुमाछी: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक ‘वियोगी’
39. पसेनाक धरम: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. खुशीलाल मण्डल
40. गुड़ा-खुद्दीक रोटी: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. दुर्गा प्रसाद साह
41. फलहार: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. राम अशीष सिंह
42. खसैत गाछ: (कथा संग्रह- 2015), लोकार्पण- डॉ. भीम नाथ झा
43. ठूठ गाछ: (उपन्यास- 2015), लोकार्पण- श्री कमलेश झा
44. कल्याणी: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्रीमती आशा देवी
45. सतमाए: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री मदन प्रसाद साहु
46. समझौता: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री मनोज कुमार साहु
47. तामक तमघैल: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री हेम नारायण साहु
48. बीरांगना: (एकांकी- 2015), लोकार्पण- श्री राजा राम यादव
49. एगच्छा आमक गाछ: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री अमर नाथ झा

50. शुभचिन्तक: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री लक्ष्मी नारायण सिंह
51. गाछपर सँ खसला: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
52. डभियाएल गाम: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री राजदेव मण्डल
53. गुलेती दास: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
54. मुड़ियाएल घर: (कथा संग्रह- 2016), लोकार्पण- श्री रघुवीर मोची
55. बीरांगना: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री नारायण यादव
56. स्मृति शेष: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
57. बेटीक पैरुख: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्रीमती मुन्नी कामत
58. क्रान्तियोग: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री दुर्गानन्द मण्डल
59. त्रिकालदर्शी: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री राम लषण राम 'रमण'
60. पैंतीस साल पछुआ गेलौं: (कथा संग्रह- 2017), लोकार्पण- श्री तुरन्त लाल मण्डल
61. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं: (उपन्यास- 2017), लोकार्पण- ई. कमलाकान्त भारती
62. दोहरी हाक: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
63. सुभिमानी जिनगी: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
64. देखल दिन: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री महावीर प्रसाद
65. गपक पियाहुल लोक: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री चण्डेश्वर खाँ
66. दिवालीक दीप: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री नीरज नारयण पाण्डेय SDO
67. अप्पन गाम: (कथा संग्रह- 2018), लोकार्पण- डॉ. शिव शंकर श्रीनिवास
68. लहसन: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- डॉ. कमलकान्त झा
69. पंगु: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- श्री अरविन्द ठाकुर
70. आमक गाछी: (उपन्यास- 2018), लोकार्पण- डॉ सुरेन्द्र कुमार सिंह
71. सतबेध: (गीत संग्रह- 2018), लोकार्पण- श्री प्रीतम कुमार 'निषाद'
72. खिलतोड़ भूमि: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री कृष्ण कान्त झा
73. चितवनक शिकार: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री जय प्रकाश मण्डल
74. चौरस खेतक चौरस उपज: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री जय प्रकाश मण्डल
75. समयसँ पहिने चेत किसान: (कथा संग्रह- 2019), लो.- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
76. भौक: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
77. गामक आशा टुटि गेल: (कथा संग्रह- 19), लो.- श्री उमेश नारायण कर्ण 'कल्पकवि'

78. पसेनाक मोल: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री लक्ष्मेश्वर राय (विधायक)
79. चुनौती: (कथा संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री नारायण यादव
80. रहसा चौरी: (गीत संग्रह- 2019), लोकार्पण- श्री शारदानन्द सिंह
81. कृषियोग: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री शैलेन्द्र आनन्द
82. हारल चेहरा जीतल रूप: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. उषा चौधरी
83. रहै जोकर परिवार: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- पं. शशिनाथ झा (कुलपति)
84. कामधेनु: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. धीरेन्द्र कुमार
85. मन मथन: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री रामजी प्रसाद मण्डल
86. अकास गंगा: (गीत संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री राम विलास साहु
87. सुचिता: (उपन्यास) 2020), लोकार्पण- डॉ. अशोक अविचल
88. कर्ताक रंग कर्मक संग: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- डॉ. योगानन्द झा
89. गामक सूरत बदैल गेल: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- श्री अरविन्द प्रसाद
90. अन्तिम परीक्षा: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- डॉ. शिव कुमार प्रसाद
91. घरक खर्च: (कथा संग्रह- 2020), लोकार्पण- प्रो. विद्यानाथ झा
92. मोड़पर: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- प्रो. शंकर झा
93. संकल्प: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री राम कृष्ण परार्थी
94. अन्तिम क्षण: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री अरविन्द प्रसाद
95. नीक ठकान ठकेलौं: (कथा संग्रह- 2021), लोकार्पण- डॉ. ज्वालानाथ तेज
96. कुण्ठा: (उपन्यास- 2021), लोकार्पण- श्री अशोक
97. पयस्विनी: (निबन्ध-प्रबन्ध- 2021), लोकार्पण- श्री अरविन्द ठाकुर
98. जीवनक कर्म जीवनक मर्म (कथा संग्रह- 2021), लोकार्पण- डॉ. शिवशंकर श्रीनिवास
99. संचरण: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- डॉ. योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'
100. भरि मन काज: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- ई. शैलैन्द्र मण्डल
101. आएल आशा चलि गेल: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्रीमती शीला मण्डल
102. जीवन दान: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री विनोद कुमार साह
103. अप्पन साती: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री शारदा नन्द सिंह
104. साहित्यकारक विवेक: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- डॉ. विभूती आनन्द
105. नब बनक नब फल: (कथा संग्रह- 2022), लोकार्पण- श्री हीरेन्द्र कुमार झा

106. सुनयना बेटी: (उपन्यास- 2023), लोकार्पण- डॉ. कमल कान्त झा

107. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- डॉ. धनाकर ठाकुर

108. बासभूमि: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- डॉ. महेन्द्र नारायण राम

109. टकुआटान: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री राम नरेश यादव

110. एकलव्यपन: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री चन्द्रेश

111. एक चुटकी खुशी: (कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- श्री झौली पासवान

112. नियति आ पुरुषार्थ: (बाल कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- शीघ्र..

113. श्रद्धा: (बाल कथा संग्रह- 2023), लोकार्पण- शीघ्र..

❑❑❑

❑❑

❑

Notes